

जिल्दबंदी करने, रबर आदि जोड़ने वाला, पुजों आदि को चलता रखने के काम में इस्तेमाल किया जाता है।

ग्रीवा स्त्री. (तत्.) गर्दन टि. समस्त होने पर इस शब्द का रूप ग्रीव हो जाता है सुग्रीव।

ग्रीवालिका स्त्री. (तत्.) दे. ग्रीवा।

ग्रीष्म स्त्री. (तत्.) गर्मी का मौसम, गरमी, ताप।

ग्रीष्मकाल पुं. (तत्.) गर्मी की ऋतु।

ग्रीष्मकालीन वि. (तत्.) ग्रीष्मकाल का, ग्रीष्म ऋतु से संबंधित।

ग्रेजुएट पुं. (अं.) कोई स्नातक उपाधि परीक्षा पास किया हुआ विद्वान 2. स्नातक।

ग्रेट प्राइमर पुं. (अं.) एक प्रकार का छापे का अक्षर जो 16 प्वाइंट का होता है और आकार-प्रकार गोल होता है।

ग्रेट ब्रिटेन पुं. (अं.) इंग्लैंड और स्कॉटलैंड देश।

ग्रेन पुं. (अं.) एक अंग्रेजी तौल जो एक रत्ती के बराबर होती है।

ग्रेनाइट पुं. (अं.) एक तरह का आग्नेय पत्थर जो बहुत कड़ा होता है टि. यह एक ऐसा पत्थर होता है जिससे काटना सरल नहीं होता और काफी खर्चीला भी होता है, यही कारण है कि साधारण इमारतों में इसका बहुत कम व्यवहार होता है, पुल आदि इमारतों जिसमें बहुत अधिक मजबूती की आवश्यकता होती है उन्हीं में इसका प्रयोग होता है, इसमें अबरक का भी बहुत कुछ अंश मिला रहता है।

ग्रेवियक पुं. (तत्.) 1. गले में पहनने की वस्तु 2. गले का आभूषण 3. हाथी के गले की जंजीर।

ग्रेष्मिक पुं. (तत्.) ग्रीष्म से संबंधित।

ग्रेष्म पुं. (तत्.) ग्रीष्म से संबंधित।

ग्रेष्मक पुं. (तत्.) जो गर्मी में बोया जाए।

ग्रामकूट पुं. (तत्.) शुद्र।

ग्लपित पुं. (तत्.) थकित, क्लान्त।

ग्लान पुं. (तत्.) 1. बीमार, रोगी 2. कमजोर 3. थका हुआ शिथिल।

ग्लानि स्त्री. (तत्.) 1 शारीरिक या मानसिक शिथिलता, अनुत्साह, खेद, अक्षमता 2. मन की

एक वृत्ति जिसमें अपने किसी की बुराई या दोष आदि को देखकर अनुत्साह, अरुचि और खिन्नता उत्पन्न होती है, पश्चाताप 3. साहित्य में वीभत्स रस का एक स्थाई भाव टि. साहित्य दर्पण के अनुसार यह व्याभिचारी भाव के अंतर्गत है, रीति, परिश्रम, मनस्ताप और भूख-प्यास आदि से उत्पन्न दुर्बलता ही ग्लानि है, इसमें शरीर काँपने लगता है शक्ति घट जाती है और किसी कार्य में मन नहीं लगता 4. पतन, हास।

ग्लास पुं. (अं.) 1. पानी पीने का एक पात्र, गिलास 2. शीशा, काँच।

ग्लूकोज पुं. (अं.) फलों की चीनी 2. अंगूर की चीनी, यह रासायनिक तरीके से तैयार की जाती है।

ग्लेशियर पुं. (अं.) 1. हिमखंड, हिमशिला जो गतिशील होती है, यह धीरे-धीरे चलकर नीचे उतरता है और फिर किसी नदी में मिल जाता है।

ग्वार स्त्री. (तद्.) एक वार्षिक पौधा जिसकी फलियों की तरकारी और बीजों की दाल होती है, कोरी, खुरथी।

ग्वारनट स्त्री. (अं.) एक प्रकार का रंगीन रेशमी कपड़ा।

ग्वारपाठा पुं. (देश.) ग्वार नाम पौधों की फली जिसकी सब्जी बनती है, घी कुवार, घी गुवार।

ग्वारिन स्त्री. (देश.) दे. ग्वालिन।

ग्वारी स्त्री. (देश.) ग्वारिन, अधरनी।

ग्वाल पुं. (तद्) 1. अहीर 2. एक छंद का नाम जिसे सार और शानु भी कहते हैं, इसके प्रत्येक चरण में दो अक्षर होते हैं, जिनमें से पहला गुरु और दूसरा लघु होता है।

ग्वालबाल पुं. (देश.) ग्वाला।

ग्वालिन स्त्री. (तद्.) ग्वाले की स्त्री, ग्वाल जाति की स्त्री 2. ग्वार, खुरथी, कैरी 3. तीन-चार अंगुल लंबा एक बरसाती कीड़ा जिसे घिनोरी या गिंजाई भी कहते हैं।

ग्वाली स्त्री. (तद्.) ग्वाले की स्त्री।

ग्वैंठा पुं. (देश.) गाँव के आसपास की भूमि।

ग्वैडें पुं. (देश.) निकट, पास।